"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2010-2011

मार्गदर्शक

डॉ. बी. रमेश बाबू
विभागाध्यक्ष (शिक्षा विभाग),
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
श्यामला हिल्स, भोपाल

शोधार्थी

जयश्री गिरिपुंजे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद)
श्यामला हिल्स भोपाल

2010:2011

"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन"

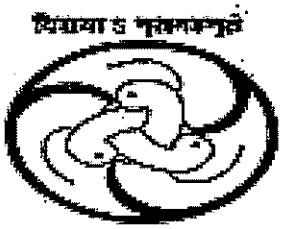

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2010–2011

D– 335

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

मार्गदर्शक

डॉ. बी. रमेश बाबू
विभागाध्यक्ष (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
श्यामला हिल्स, भोपाल

शोधार्थी

जयश्री गिरिपुंजे
एम.एड (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स भोपाल

प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का एम.एड. (आर.आई.ई.) की छात्रा कु. **जयश्री गिरिपुंजे** नें मेरे मार्गदर्शन में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित वर्ष 2010–2011 की एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि परीक्षा की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री से कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन"** विषय पर शोध कार्य लगन, निष्ठा एवं पूरी ईमानदारी से किया है। यह लघु शोध प्रबंध इनकी मौलिक कृति है।

मार्गदर्शक

स्थान : भोपाल

दिनांक : 28.04.2011

डॉ. बी. रमेश बाबू
प्रवाचक (शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल (म.प्र.)

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत लघुशोध "भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री के प्रयोग से कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन" की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक डॉ. बी. रमेश बाबु विभागाध्यक्ष क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को है। जिन्होनें निरन्तर उचित परामर्श तथा अनवरत प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत शोधकार्य प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है।

मैं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के प्राचार्य आदरणीय श्री के.वी. सुब्रमण्यम, अधिष्ठाता डॉ. रीटा शर्मा तथा डॉ. एस.के. गुप्ता प्रवाचक, डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण प्रवाचक शिक्षा विभाग इनके स्नेहपूर्ण व्यवहार, आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन के लिए आजीवन आभारी रहूँगी।

मैं पुस्तकालय कार्यकर्ताओं एवं सहयोगी तथा अपने सहपाठियों को हृदय से धन्यवाद देती हूँ , जिनके सहयोग से शोध कार्य सम्पन्न हो सका।

मैं अपने आदरणीय पिता, भैय्या तथा परिवार, मित्र, स्नेही इन सबके शुभचिंतकों की आजीवन आभारी रहूँगी।

अंत में मैं शोधकार्य से संबंधित चरणों में शोधकार्य में जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग दिया उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

शोधार्थी

Giripunje

जयश्री गिरिपुंजे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल

स्थान : भोपाल
दिनांक : 28.04.2011

घोषणा – पत्र

मैं **जयश्री लालाजी गिरिपुंजे** (आर.आई.ई.) छात्रा, यह घोषणा करती हूँ कि, **"भूगोल विषय में शैक्षिक सामग्री से कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की निष्पत्ति पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध वर्ष 2010–11 में मैंने डॉ. बी. रमेश बाबू विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम. एड. (आर.आई. ई.) 2010–11 की उपाधि के लिए आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है इस शोध में दी गई सूचनाएं विश्वसनीय स्त्रोतो तथा मूल स्थानों से प्राप्त किए गये है। यह प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

शोधार्थी

स्थान : भोपाल
दिनांक : 28.04.2011

Giripunje

जयश्री गिरिपुंजे
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
अध्याय प्रथम : शोध परिचय		
1.1	प्रस्तावना	1
1.2	भूगोल का उद्भव एवं विकास	1
1.3	भूगोल में भाषा का स्वरूप	2
1.4	भूगोल विषय की विधियां	2–3
1.5	भूगोल विषय में मानचित्र	3–4
1.6	भूगोल शिक्षण का स्वरूप	4–5
1.7	भूगोल शिक्षण की सहायक सामग्री	5–11
1.8	भूगोल विषय में मानचित्र का स्थान	11–12
1.9	मानचित्र की भाषा	12
1.10	मानचित्र की उपयोगिता	12–13
1.11	शैक्षिक सामग्री का प्राथमिक शिक्षा में स्थान	13
1.12	भूगोल शिक्षण में सहायक सामग्री का महत्व	14
1.13	सहायक सामग्री के विभिन्न फायदे	14
1.14	सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सहायक सामगी का महत्व	15
अध्याय द्वितीय : संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन		
2.1	प्रस्तावना	16–17
2.2	संबंधित शोधकार्य	17–25
अध्याय तृतीय : शोध प्रविधि		
3.1	प्रस्तावना	26
3.2	शोध अभिकल्प	26–27

3.3	प्रतिदर्श	27
3.4	शोध में प्रयुक्त चर	28–29
3.5	उपकरण	29
3.6	प्रयुक्त सांख्यकीय प्रक्रिया	29–30
अध्याय चतुर्थ : प्रदत्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या		
4.1	प्रस्तावना	31
4.2	शोध के उद्देश्य	31–32
4.3	अनुसंधान परिकल्पना की जाँच	32–38
अध्याय पंचम : निष्कर्ष एवं सुझाव		
5.1	प्रस्तावना	39
5.2	समस्या कथन	39
5.3	अध्ययन के उद्देश्य	39–40
5.4	परिकल्पनाएं	40
5.5	अध्ययन की सीमाएं	40
5.6	प्रतिदर्श	41
5.7	शोध में प्रयुक्त चर	41
5.8	निष्कर्ष	41–42
5.9	सुझाव	42
5.10	भविष्य के लिए शोध सुझाव	42
	* संदर्भ ग्रंथ सूची	
	* परिशिष्ट	

तालिका सूची

क्रमांक	विषय विवरण	पृष्ठ संख्या
1.0	प्रतिदर्श विभाजन दर्शाने वाली तालिका	27
1.1	नियंत्रित और प्रायोगिक समूह के विद्यार्थियों के प्राप्तांको की तुलना	33
1.2	नियंत्रित और प्रायोगिक समूह के विद्यार्थियों में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना	34
1.3	नियंत्रित और प्रायोगिक समूह के छात्राओं के प्राप्तांकों की तुलना।	35
1.4	नियंत्रित और प्रायोगिक समूह के छात्राओं में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना	36
1.5	नियंत्रित और प्रायोगिक समूह के छात्रों के प्राप्तांकों की तुलना	37
1.6	नियंत्रित और प्रायोगिक समूह के छात्रों में निष्पत्ति के सार्थक अंतर की तुलना	38